भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर (2026-2027)

कक्षा - 9	**विषय – हिंदी (पाठ्यक्रम-ब) पाठ्यपुस्तक – गंगा**	**Date – 04-08-2026**
प्रश्न बैंक	**पाठ: ऐसी भी बातें होती हैं लेखक – यतींद्र मिश्र**	**Note: Pl. file in portfolio**

नाम :_____अनुभाग :_____अनुक्रमांक :_____दिनांक: _____

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

1. **लता मंगेशकर के जन्म और प्रारंभिक संगीत शिक्षा के बारे में बताइये।**
   लता मंगेशकर का जन्म इंदौर, मध्य प्रदेश में हुआ था। उन्होंने मात्र पाँच वर्ष की आयु में अपने पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर से संगीत की प्रारंभिक शिक्षा लेनी शुरू की। वे जीवन भर संगीत के प्रति पूरी तरह समर्पित रहीं और कठिन संघर्षों का सामना किया।
2. **बचपन में शरारत करने पर उनके पिता उन्हें किस प्रकार अनुशासित करते थे?**
   बचपन में शरारत करने पर उनके पिता बच्चों को डाँटते नहीं थे, बल्कि उन्हें अपने सामने खड़ा कर देते थे। वे बस गंभीरता से उन्हें देखते थे, जिससे डरकर बच्चे स्वयं ही रोने लगते थे और अपनी गलती समझकर बाहर खेलने चले जाते थे।
3. **लता जी के पिता की ड्रामा कंपनी की क्या विशेषताएँ थीं?**
   उनके पिता की कंपनी के नाटक रात नौ बजे शुरू होकर देर रात तीन बजे तक चलते थे। वे पहली बार मराठी रंगमंच पर कर्नाटक और पंजाब का संगीत लेकर आए थे। उनके नाटकों में शास्त्रीय संगीत और लंबी रागदारी वाली गायन परंपरा शामिल थी।
4. **पिता से संगीत के अतिरिक्त लता जी ने और कौन से महत्वपूर्ण जीवन-मूल्य सीखे?**
   संगीत के अलावा लता जी ने अपने पिता से स्वाभिमान के साथ जीने की प्रेरणा ली। उन्होंने सीखा कि यदि कोई बात सही है, तो उस पर दृढ़ रहना चाहिए और किसी के आगे हाथ नहीं पसारना चाहिए। यही संस्कार उनके कठिन समय में काम आए।
5. **लता जी और उनके भाई-बहन बचपन में फिल्मों की नकल कैसे उतारते थे?**
   वे चोरी-छिपे फिल्मों की नकल करते थे। फिल्म 'संत तुकाराम' की नकल के लिए वे गद्दे और तकिए ऊपर रखकर 'स्वर्ग' बनाते थे। लता जी ऊपर बैठकर गाना गाती थीं और बाकी भाई-बहन अनुयायी बनकर नीचे बैठकर उनके साथ स्वर्ग जाने के लिए रोते थे।
6. **लता जी को फिल्मों में अभिनय करना क्यों पसंद नहीं था?**

लता जी ने शुरुआत में छह-सात फिल्मों में अभिनय किया, लेकिन उन्हें मेकअप करना और लाइट के सामने जाना कभी अच्छा नहीं लगा। उन्हें बहुत से लोगों के सामने बनावटी रूप से कभी हँसने और कभी रोने में बहुत संकोच महसूस होता था।

7. **पुराने समय में 'आएगा आने वाला' जैसे गानों की रिकॉर्डिंग के दौरान क्या तकनीकी चुनौती थी?**

उस दौर में तकनीक बहुत विकसित नहीं थी। इस गाने में आवाज का उतार-चढ़ाव रिकॉर्ड करने के लिए लता जी को हॉल में बहुत दूर से चलकर दबे पाँव माइक तक आना पड़ता था। पुराने संगीतकार सीमित साधनों में भी अद्भुत प्रभाव पैदा करते थे।

8. **लता जी के अनुसार उनके घर में होली का त्यौहार पारंपरिक रूप से कैसे मनाया जाता था?**

उनके घर में होली के दिन होलिका पूजन के बाद राख एक-दूसरे पर डाली जाती थी। पाँचवें दिन रंग-पंचमी पर माता-पिता सभी भाई-बहनों पर केसर का पानी छिड़कते थे। घर में मीठा प्रसाद बनता था और माँ सबकी आरती उतारती थीं।

9. **महाराष्ट्र में 'गुड़ी पड़वा' के त्यौहार का क्या महत्त्व बताया गया है?**

गुड़ी पड़वा को राम के अयोध्या आगमन की खुशी में मनाया जाता है। इस दिन घर के बाहर 'गुड़ी' बाँधकर उस पर बताशों की माला चढ़ाई जाती है। सूर्यास्त के समय इसे उतारकर बताशों को प्रसाद के रूप में पूरे परिवार में बाँटा जाता है।

10. **कोरस में गाने वाली लड़कियों के साथ लता जी के संबंध कैसे थे?**

लता जी का कोरस की लड़कियों के साथ बहुत आत्मीय और गहरा संबंध था। वे उन लड़कियों को अपने परिवार का सदस्य मानती थीं और उनका घर पर भी आना-जाना था। रिकॉर्डिंग के समय अक्सर वे स्टूडियो में जमीन पर उनके साथ बैठकर बातें करती थीं।

11. **उस्ताद अली अकबर खाँ ने सरोद का तार टूटने पर संगीत के बारे में क्या कहा था?**

जब अली अकबर भाई के सरोद का तार टूटा, तो उन्होंने मर्मस्पर्शी बात कही कि "जब बहुत सुर में तार लगता है, तो वह टूट जाता है।" लता जी मानती हैं कि संगीत में असीमित शक्ति है जो अप्रत्याशित प्रभाव पैदा कर सकती है।

12. **अमरता और प्रसिद्धि के विषय में लता जी के क्या विचार हैं?**

लता जी का मानना है कि शरीर नश्वर है, लेकिन नाम और कर्म हमेशा जीवित रहते हैं। वे इस बात से खुश हैं कि उन्होंने अपने पिता का नाम आगे बढ़ाया। वे लोगों द्वारा मिले प्यार को ही अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि मानती हैं।